

पूर्वोत्तर भारत के पर्व त्यौहार

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख पर्व

लोसर

- तिब्बत और हिमालय क्षेत्र में रहने वाले बौद्ध लोसर पर्व को नववर्ष के शुभारंभ के रूप में मनाते हैं।
- यह 'लोसर पर्व' लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में उमंग के साथ मनाया जाता है।

हॉर्नबिल मछोत्सव

- हॉर्नबिल महोत्सव का आयोजन नगालैंड के स्थानाचल दिवस, 1 दिसंबर को किया जाता है।
- पूरे एक सप्ताह तक नगालैंड की जनजातीय संस्कृति की रंगारंग प्रस्तुतियाँ पेश की जाती हैं।
- इस दौरान स्थानीय लोकनृत्य, संगीत, वास्तुशिल्प आदि के रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

लोसूंग/लोसांग

- यह पर्व सिक्किम में निवास करने वाली भूटिया और लेप्चा जनजातियों द्वारा दिसंबर माह में 'सिक्किमी नववर्ष' के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- इसे 'नामसूंग' भी कहा जाता है।
- यह पर्व अच्छी कृषि उपज के लिये प्रकृति का आभार व्यक्त करने के लिये भी मनाया जाता है।

सागा दत्वा

- भगवान बुद्ध की जयंती को सिक्किम में 'सागा दत्वा' नाम से मनाया जाता है।
- यह पर्व महात्मा बुद्ध की जयंती के साथ-साथ उनके निर्वाण (ज्ञान प्राप्ति) और महापरिनिर्वाण के उपलक्ष्य में भी मनाया जाता है।

बिहू

- असम का सर्वाधिक लोकप्रिय त्यौहार बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है-
 - ✓ बोहाग या रोंगाली बिहू - वैशाख - मध्य अप्रैल में
 - ✓ कोगोली बिहू या काटी बिहू - कार्तिक - मध्य अक्टूबर में
 - ✓ माघ बिहू या भोगाली बिहू - माघ - मध्य जनवरी में
- बिहू उत्सव, असम के कृषक समुदाय व मौसम में होने वाले परिवर्तनों से निर्धारित फसल चक्र से गहराई से जुड़ा हुआ है।
- कृषि और मौसम में होने वाले परिवर्तनों से जुड़ा होने के कारण यह पर्व असम में रहने वाले सभी धर्मों और विश्वासों को मानने वाले लोगों द्वारा मनाया जाता है।

अस्तुवाची मेला

- गुवाहाटी (असम) के कामाख्या मंदिर के पास मानसून के मौसम में यह पर्व मनाया जाता है।
- इस दौरान यहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु विवाह और संतान की कामना से आते हैं। इसे 'पूर्व का महाकुंभ' भी कहा जाता है।

खची पुजा

- यह हर साल जुलाई-अगस्त में त्रिपुरा में आयोजित की जाती है।
- यह त्रिपुरा के आदिवासियों द्वारा की जाने वाली चौबह देवताओं की सामूहिक पूजा है।
- इस समय समस्त त्रिपुरा के आदिवासी लोग अपने कुल देवता की पूजा करने और पुरानी संस्कृति को संजोए रखने के लिये हज़ारों की संख्या में एकत्रित होते हैं।

साजीबू वेदराओवा

- 'साजीबू चेइराओवा' मणिपुर की 'मेइती' जनजाति द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला पर्व है।
- इसे 'सो डूमों का पर्व' भी कहते हैं।
- इस समय लोग 'वकमंडा', 'वकमारी' नामक सूतर रंग-धियो परिधान पहनते हैं और डूमों की ताल के साथ नृत्य करते हुए स्थानीय गीत गाते हैं।

कांग धिंवा

- 'कांग धिंवा' मणिपुर के मेइती हिंदुओं द्वारा जुलाई में आयोजित की जाने वाली 'रथयात्रा' है।
- यह रथयात्रा पुरी में होने वाली रथयात्रा के समान है।
- इस दौरान स्त्री-पुरुष 'संकीर्तन' करते हैं। भगवान जगन्नाथ को जिस वाहन से ले जाया जाता है, उसे कांग कहते हैं।

सेक्रेन्धी पर्व

- नगालैंड की 'अंगामी' जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला सेक्रेन्धी पर्व युद्ध में जाने से पूर्व शूद्धीकरण के विधि-विधानों से जुड़ा है। इसे 'फोसान्धी' भी कहा जाता है।
- इस पर्व के दौरान युवक गाँव के पानी के स्रोत के पास विधि-विधान से स्नान करते हैं और अपने अस्त्र-शस्त्रों को भी पवित्र करते हैं।
- त्रिखों को इसमें हिस्सा लेने की अनुमति नहीं होती है।

लुई-नगाई-नी

- 'लुई-नगाई-नी' मणिपुर में निवास करने वाली नगा जनजातियों द्वारा मनाया जाने वाला कृषि से संबंधित त्यौहार है।
- बसंत के आगमन के साथ इस समय नगा कृषक अपने खेतों में नए बीज बोते हैं।

- इस पर्व के समय नगा संस्कृति का जीवंत दर्शन उनके लोकगीतों, नृत्यों, वेश-भूषा और खान-पान आदि में किये जा सकता है।

झी

- 'झी' अरुणाचल प्रदेश की ज़ीरो वैली में रहने वाली 'अपातनी' जनजाति द्वारा प्रत्येक वर्ष 5 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला कृषि से जुड़ा हुआ त्यौहार है।
- 'झी' का शाब्दिक अर्थ है 'अनाज की कमी के समय उसकी खरीद या उधार मांगना'।
- इस त्यौहार में महिलाएँ वाइन बनाती हैं तथा पुरुष इसका पान करते हैं।

चपचार कूट

- चपचार कूट मिज़ोरम में फरवरी-मार्च में मनाया जाने वाला कृषि से संबंधित पर्व है।
- इस समय तक झूम कृषि के लिये खेत साफ कर लिये गए होते हैं, बीजों की बुआई शुरू करने से पहले, खाली समय में यह त्यौहार उमंग के साथ मनाया जाता है।
- इस दौरान किये जाने वाले प्रमुख नृत्य हैं- 'चेराव', 'खुल्लम' व 'सरलमकई'।
- चपचार कूट, मिज़ोरम में कृषि के फसल चक्र से जुड़े तीन प्रमुख त्यौहारों में से एक है, अन्य हैं- 'मिम कूट' और 'पावल कूट'।

पफूल्

- यह फूलों का त्यौहार है। इसे ओडिशा, बिहार तथा पश्चिम बंगाल के संथाल लोग मनाते हैं।

